

कब, कहाँ और कैसे

कक्षा 6 सामाजिक विज्ञान

Complete Study Notes

सीखने के उद्देश्य

इतिहास के महत्व को समझना तथा यह जानना कि इतिहास हमें अतीत के बारे में कैसे जानकारी देता है। प्रारंभिक मानव के जीवन, कृषि की शुरुआत, गाँवों और नगरों के विकास तथा प्राचीन राज्यों के उदय का अध्ययन करना। भारत के नामों की उत्पत्ति, इतिहास के प्रमुख स्रोतों तथा ऐतिहासिक घटनाओं को समय के आधार पर समझने की विधि सीखना।

इतिहास का परिचय

इतिहास अतीत का अध्ययन है। इसके माध्यम से हम जानते हैं कि हजारों वर्ष पहले लोग कैसे रहते थे, क्या खाते थे, किस प्रकार के घर बनाते थे और धीरे-धीरे उनका जीवन कैसे विकसित हुआ। इतिहास हमें मानव सभ्यता की लंबी यात्रा को समझने में सहायता करता है और यह बताता है कि वर्तमान समाज का निर्माण किन-किन घटनाओं और परिवर्तनों से हुआ है।

इतिहास केवल राजाओं और युद्धों की कहानी नहीं है, बल्कि यह सामान्य लोगों के जीवन, उनके व्यवसाय, संस्कृति, रीति-रिवाज, विज्ञान, कला तथा समाज के विकास की भी जानकारी देता है। इतिहास का अध्ययन हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझने और उसका सम्मान करने की प्रेरणा देता है।

प्रारंभिक मानव और सभ्यता का विकास

प्राचीन समय में लोग नदियों, जंगलों और पहाड़ों के आसपास रहते थे क्योंकि वहाँ भोजन, पानी और अन्य आवश्यक संसाधन आसानी से उपलब्ध होते थे। हजारों वर्ष पहले नर्मदा नदी के किनारे रहने वाले लोग शिकार करते थे तथा जंगलों से फल, कंद-मूल और अन्य खाद्य पदार्थ एकत्रित करके अपना जीवन बिताते थे।

लगभग 8,000 वर्ष पहले सुलैमान और किरथर पहाड़ियों के क्षेत्र में लोगों ने गेहूँ और जौ जैसी फसलों की खेती शुरू की। उन्होंने भेड़, बकरी और गाय जैसे पशुओं को भी पालना प्रारंभ किया। खेती और पशुपालन के विकास के साथ लोग स्थायी गाँवों में रहने लगे और धीरे-धीरे संगठित समाज का निर्माण हुआ।

बाद में विंध्य पर्वत के उत्तर में धान की खेती प्रारंभ हुई। लगभग 4,700 वर्ष पहले सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के किनारे विश्व की प्रारंभिक नगर सभ्यताओं का विकास हुआ। इसके बाद गंगा नदी के किनारे भी अनेक महत्वपूर्ण नगर बसने लगे, जहाँ उपजाऊ भूमि के कारण बड़ी आबादी निवास करने लगी।

प्राचीन भारत का एक शक्तिशाली राज्य मगध था, जो वर्तमान बिहार में स्थित था। उपजाऊ भूमि, प्राकृतिक संसाधनों और योग्य शासकों के कारण यह राज्य धीरे-धीरे एक विशाल साम्राज्य के रूप में विकसित हुआ।

भारत के नाम की उत्पत्ति

हमारे नामों की उत्पत्ति: इंडिया शब्द की उत्पत्ति सिंधु नदी से हुई है। प्राचीन ईरानी और यूनानी लोग सिंधु नदी को हिन्दोस या इंडोस कहते थे और धीरे-धीरे नदी के पूर्व में स्थित पूरे क्षेत्र को इंडिया कहा जाने लगा। भारत नाम का उल्लेख सबसे पहले ऋग्वेद में मिलता है। प्रारंभ में यह नाम एक विशेष समुदाय के लिए प्रयोग किया जाता था, लेकिन समय के साथ यह पूरे देश का नाम बन गया। आज भी भारत हमारे देश का आधिकारिक नाम है और यह हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।

इतिहास के स्रोत

इतिहासकार अतीत की जानकारी प्राप्त करने के लिए अनेक प्रकार के स्रोतों का उपयोग करते हैं। पांडुलिपियाँ हाथ से लिखी गई प्राचीन पुस्तकें होती हैं जिन्हें ताड़ के पत्तों या भोजपत्र पर लिखा जाता था। इनमें धर्म, विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य तथा राजाओं के जीवन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है।

अभिलेख पत्थरों, स्तंभों, गुफाओं या धातु की पट्टिकाओं पर खुदे हुए लेख होते हैं। प्राचीन राजा अपने आदेश, विजय तथा महत्वपूर्ण घटनाओं को अभिलेखों के माध्यम से जनता तक पहुँचाते थे।

पुरातत्वविद् खुदाई के दौरान प्राप्त भवनों के अवशेष, मिट्टी के बर्तन, सिक्के, औजार, हथियार, मूर्तियाँ, आभूषण तथा हड्डियों का अध्ययन करके प्राचीन सभ्यताओं के जीवन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करते हैं। ये सभी स्रोत मिलकर इतिहास को समझने का आधार बनते हैं।

ऐतिहासिक तिथियाँ और कालक्रम

इतिहास में घटनाओं को समय के क्रम में व्यवस्थित किया जाता है। ईसा मसीह के जन्म से पहले की घटनाओं को ईसा पूर्व (BC/BCE) तथा उनके जन्म के बाद की घटनाओं को ईस्वी (AD/CE) कहा जाता है।

कालक्रम का उपयोग करने से यह समझना आसान हो जाता है कि कौन-सी घटना पहले हुई और कौन-सी बाद में। इससे विभिन्न सभ्यताओं, राज्यों तथा ऐतिहासिक घटनाओं का सही क्रम स्थापित किया जा सकता है।

इतिहास का महत्व

इतिहास हमें यह समझने में सहायता करता है कि मानव समाज समय के साथ कैसे विकसित हुआ। इससे हमें प्राचीन सभ्यताओं की उपलब्धियों, संघर्षों, खोजों तथा सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में जानकारी मिलती है। इतिहास का अध्ययन हमें अपनी विरासत के संरक्षण तथा उसके महत्व को समझने की प्रेरणा देता है।

इतिहास विद्यार्थियों में तर्कसंगत सोच विकसित करता है। यह उन्हें विभिन्न स्रोतों का अध्ययन करके तथ्यों को समझने, घटनाओं के कारणों का विश्लेषण करने तथा अतीत से सीख लेकर भविष्य के लिए बेहतर निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है।

अभ्यास प्रश्न

- इतिहास का अध्ययन क्यों किया जाता है?
- प्रारंभिक मानव सबसे पहले कहाँ बसे थे?
- भारत नाम की उत्पत्ति कैसे हुई?
- पांडुलिपि और अभिलेख में क्या अंतर है?
- इतिहास के प्रमुख स्रोत कौन-कौन से हैं?

उत्तर

- **उत्तर 1:** इतिहास का अध्ययन हमें अतीत के लोगों के जीवन, सभ्यताओं के विकास तथा मानव समाज में समय के साथ हुए परिवर्तनों को समझने में सहायता करता है।
- **उत्तर 2:** प्रारंभिक मानव नर्मदा नदी जैसी नदियों के किनारे बसे थे, जहाँ भोजन, पानी और प्राकृतिक संसाधन आसानी से उपलब्ध थे।
- **उत्तर 3:** इंडिया नाम सिंधु नदी से तथा भारत नाम ऋग्वेद में वर्णित भरत समुदाय से प्राप्त हुआ है।
- **उत्तर 4:** पांडुलिपियाँ हाथ से लिखी गई प्राचीन पुस्तकें होती हैं, जबकि अभिलेख पत्थर, धातु, स्तंभ या गुफाओं पर खुदे हुए लेख होते हैं।
- **उत्तर 5:** इतिहास के प्रमुख स्रोत हैं—पांडुलिपियाँ, अभिलेख, स्मारक, सिक्के, मिट्टी के बर्तन, औजार, भवनों के अवशेष, मूर्तियाँ तथा पुरातात्विक खुदाई से प्राप्त सामग्री।